IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 2, Issue 8, August 2022

Impact Factor: 5.731

डिजिटल रूपया - मुद्रा जगत में नयी क्रांति

Soham Khade and R. A. Khan

M. E. S College of Engineering, Pune, Maharashtra, India

सारांश: देष मे बढ रहे ब्तलचजव ब्नततमदबल के जाल को रोकने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने वित्तीय वर्श 2022–2023 में क्पहपजंस ब्नततमदबल लॉच करने की घोशणा की जो कि ठसवबा बिंपद ज्मबीदवसवहल पर काम करेगी। क्पहपजंस त्नचलंए ब्मदजतंस ठंदा क्पहपजंस ब्नततमदबल ;ब्ठक्ब्द्ध को षूरू करने से अर्थव्यवस्था को बहुत ही फायदा मिलेगा । डिजिटल करेंसी से एक और अधिक दक्ष और सस्ती करेंसी प्रबंधन व्यवस्था देखने को मिलेगी इसलिए डिजिटल रू. को षुरू करने का प्रयास किया गया है। डिजिटल करेंसी कागज के नोट की अपेक्षा कम खर्चीली है तथा इससे ट्रांजेक्षन मे तेजी आएगी। डिजिटल करेंसी लाने के सरकार के फैसले को बहुत ही प्रोगेसिव माना जा रहा है । क्रिप्टो करेंसी में निवेष किया गया सारा पैसा अनरेग्युलेटेड है भारत सरकार का इस पर कोइ नियंत्रण नही था भारत सरकार को कोई टैक्स नही मिलता था तथा निवेष के अपराधिक इस्तेमाल तथा मनी लॉड्रिंग का भी खतरा बना रहता था लेकिन अब ये टैक्स नेट में आ गया है अतः इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए भारत सरकार ने डिजिटल करेंसी का पायलेट प्रोजेक्ट 1 नवम्बर 2022 से लॉच कर दिया है।

प्रस्तावना: भारतीय रिजर्व बैंक त्ठप् ने भारत की बहुप्रतीक्षित सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी ;ब्ठक्ब्द्ध को 1 नवम्बर 2022 को लॉन्च किया है जो एक प्रकार की आधिकारिक मुद्रा है। इस करेंसी का इस्तेमाल करने के लिए बैंक खाते की अनिवार्यता नहीं होगी । सरकार के लिए निगरानी करना भी आसान होगा कि करेंसी का लेनदेन कौन कहॉ और कितना कर रहा है। बाजार में रूपये की लिक्विडिटी का प्रबंध करना भी त्ठप् के लिए आसान हो जाएगा क्यों कि तेजी से उसे नियंत्रण किया जा सकेगा और सबसे ज्यादा सुविधा आम लोगो को होगी जिन्हे नोट लेकर चलने की आवष्यता नहीं होगी। भारत का त्मेमतअम ठंदा अपनी डिजिटल करेंसी तो लाएगा लेकिन अभी वर्चुअल करेंसी में जो भारतीय निवेष कर रहे है उस निवेष पर भी सरकार ने टैक्स लगाया है। भारत में वर्चुअल करेंसी में निवेष पर बैन नही लगेगा इसकी आमदनी पर 30ः ज्ंग लगेगा तथा वर्चुअल एसेट के लेनदेन पर 1ः ज्वै सरकार वसुलेगी। अनुमान ये है 10 करोड से अधिक भारतीयो ने क्रिप्टो करेंसी में निवेष कर रखा है और उसकी रकम 6–7 लाख करोड रू से भी ऊपर हैं ।

डिजिटल रूपये के प्रकार:

- डिजिटल रूपये के उपयोग तथा कार्यों के आधार पर एवं पहुंच के विभिन्न स्तरों पर विचार करते हुए, आरबीआई ने डिजिटल रूपये को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया हैः सामान्य उददेष्य (खुदरा) और थोक।
- 1 नवंबर को आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों में द्वितीयक बाजार लेनदेन को व्यवस्थित करने के लिये थोक खंड के लिए डिजिटल रूपये का षुभारंभ किया। थोक सीबीडीसी को चुनिंदा वित्तीय संस्थानो तक सीमित पहुंच के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें सरकारी प्रतिभूतिया और पूंजी बाजार में बैंकों द्वारा किए गए वित्तीय लेनदेन में अधिक कुषल और सुरक्षित निपटान प्रणाली को बदलने की क्षमता है।
- थोक डिजिटल रूपए ;ीवसमेंसम कपहपजंस तनचममद्ध के बाद आरबीआई ;त्ठप्द्ध ने 1 दिसंबर से खुदरा डिजिटल रूपए ;तमजंपस कपहपजंस तनचममद्ध का चलन षूरू कर दिया है।

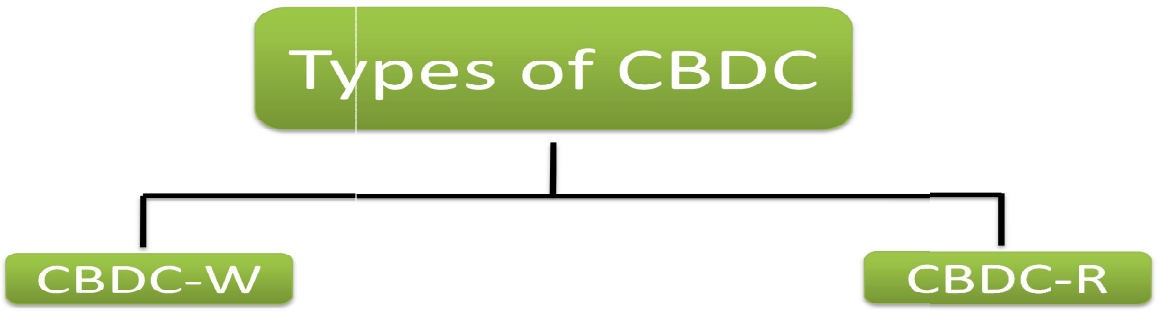

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 2, Issue 8, August 2022
Impact Factor: 5.731

भारतीय रिर्जब बैंक ने 1 नबम्बर 2022 को होलसेल ट्रांजेक्षन के लिए डिजिटल रूपया जारी किया है ।
इसे पॉयलेट प्रोजेक्ट के तौर पर षूरू किया है ।
च्मतेवद जव डमतबींदज च्2ड लेन देन किये जा सकेंगे ।
षूरूवात मे डिलिटल रूपया सरकारी प्रतिभुतियो के लेन देन के लिये इस्तमाल किया जायेगा।

भारतीय रिर्जब बैंक 1 दिसम्बर 2022 से होलसेल के बाद रिटेल ट्रांजेक्षन करेगा।
अब जेब मे नगद लेकर चलने या ऑनलाइन पेमेंट की जरूरत नहीं रहेगी।
च्मतेवद जव च्मतेवद च्2च् लेन देन किये जा सकेंगे ।
त्मजंपस ब्ठक्ब का इस्तेमाल संभवतः सभी कर सकेंगे।
म्.त्नचममे क्पहपजंस ज्वामद होगा जिसकी मान्यता कागजी नोट या धातु की तरह होगी ।

मुख्य बिन्दू:

- म्.त्नचममे ब्यउउमतबपंस इंदा की नहीं अपीतु त्ठप् की जिम्मेदारी होगा।
- म्.त्नचममे का इस्तमाल बिना बैंक अकाउण्ट के भी किया जा सकेगा।
- म्.त्नचमम उसी मूल्य वर्ग का जारी होगा जिस मूल्य का कागजी नोट 1ए2ए5ए10ए50ए100ए200ए500ए2000 या सिक्के 1ए2ए5ए10 जारी किये गये।
- इस पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा और नकद की तरह जमा करा जा सकेगा।
- दुकानदार को क्यू आर कोड के जरिए डिजिटल वॉलेट से भुगतान करना होगा।

भारतीय करेंसी का डिजिटल स्वरूप म्.त्नचमम को फिलहाल चार बैंको के माध्यम से वितरित किया जाएगा। इस पायलेट प्रोजेक्ट में सरकारी और निजी क्षेत्र के चार बैक एसबीआई, आईसीसीआई, यस बैंक व आईडीएफसी फर्स्ट को षामिल किया गया है। यूजर्स बैंकों की ओर से उपलब्ध एप्स, मोबाइल फोन एंव अन्य डिवाइस के द्वारा वदसपदम कपहपजंस ूंससमज में म्.त्नचलम के साथ लेनदेन करना आसान होगा। इस सुविधा से एक मोबाइल से दूसरे मोबाइल पर रूपया भेजना एवं खरीदी–बिक्री करना आसान होगा। भारतीय रूपये को पूरी तरह से भारतीय रिजर्ब बैंक ही रेग्यूलेट करेगी।

क्पहपजंस ब्नततमदबल स्ंनदबीमकरू.

- भारतीय रिजर्ब बैंक ने इस पायलेट परियोजना को मुंबई, नयी दिल्ली, बेंगलुरू और भुवनेष्श्वर में षुरू कर दी है।
- दूसरे चरण में जुडेंगे 9 षहर अहमदाबाद, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, कोच्चि, लखनऊ, पटना, षिमला।

क्रिप्टो करेंसी और डिजिटल रूपया में अंतर

त्ठप् का डिजिटल रूपया अर्थात देष में करेंसी का एक नया दौर षुरू हो चुका है बहुत से लोग इसे क्रिप्टो करेंसी जैसा समझ रहे है, किन्तु मूल रूप से दोनों में काफी ज्यादा अंतर है। इसके लिए ये जानना आवष्यक है की डिजिटल रूपया क्या है–

ब्लॉकचेन टैक्नोलॉजी:

ब्लॉकचेन एक डिजिटल लेजर है, ब्लॉकचेन टैक्नोलॉजी पर जो भी ट्रांजैक्शन होता है वह जुड़े हुए हर कंप्यूटर पर दिखाई देता है इसका मतलब है कि ब्लाकचेन में कभी भी कोई ट्रांजैक्शन होता है तो उसका रिकार्ड पूरे नेटवर्क पर दर्ज हो जाएगा इसलिए से डिस्ट्रीब्यूटर्ड लेजर टेक्नोलाजी भी कहा जाता है ।

डिजिटल रूपया:

डिजिटल रूपया को कैष का डिजिटल वर्जन समझ सकते है षुरूआत मे इसे खर्च करना ठीक वैसा ही होगा, जैसे आप अपने पर्स से पैसे खर्च करते है ये डिजिटल वॉलेट या न्च् से काफी अलग है । एक डिजिटल टोकन के रूप में होगा और इनको सिक्को और नोटो के तरफ काम में ले सकेंगे । यूजर्स इसका प्रयोग पार्टिसिपेटिंग बैंक के जरिए कर सकेंगे। डिजिटल करेंसी पूरी तरह से रेगूलेटेड है जिसके प्रयोग के लिये सरकार की मंजूरी होगी । फिजिकल नोट बाले सभी फिर्चर डिजिटल रूपया में

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 2, Issue 8, August 2022
Impact Factor: 5.731

होगें । लोगो को डिजिटल रूपया को फिजिकल रूपये में बदलने की सुविधा होगी। क्रिप्टो करेंसी की तरह इसका भाव घटेगा–बढेगा नहीं, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा तथा त्ठप् का रेगुलेषन होने से मनी लॉड्रिंग, फ्रॉड की आषंका नहीं होगी । सरकार का बेहतर नियंत्रण होगा, पैसा देष में कैसे प्रवेष करता है तथा भविश्य के लिये बेहतर बजट और आर्थिक योजनाओ को बनाने और अधिक सुरक्षित वातावरण की अनुमति देगा।

क्रिप्टो करेंसीः

क्रिप्टो करेंसी पूरी तरह से प्रायवेट है । इस पर किसी सरकार या सेंट्रल बैंक का नियंत्रण नहीं होता हैं। ऐसी करेंसी गैर कानूनी होती है। इसका भाव घटता–बढता रहता है इसे ब्लॉक चैंन के माध्यम से मैनेज किया जाता है । यह एक डिजिटल संपत्ति है जिसे एक्सचेंज माध्यम के रूप में डिजाइन किया गया है। यह आम तौर पर पेपर मनी की तरह मौजूद नही होती है, यह केंद्रीयकृत डिजिटल मुद्रा प्रणाली के विपरीत विकेंद्रीकृत नियंत्रण का उपयोग करती है क्रिप्टो करेंसी को एक जारी करता द्वारा जारी करने से पहले खनन या बनाया जाता है बिटकॉइन, जिसे पहली बार 2009 मे ओपन–सोर्स सोफ्टवेयर के रूप मे जारी किया गया था। यह पहला विकेंद्रीकृत क्रिप्टो करेंसी है । अमेरिकी क्रिप्टोग्राफर डेविड चाउम ने 1983 मे एक अज्ञात क्रिप्टोग्राफिक इलेक्ट्रॉनिक पैसे की कल्पना की, जिसे एक्ष कहा जाता है।

सीबीडीसी के ट्रांजैक्शन करने की प्रक्रिया

मोबाइल में एक एप्लीकेशन होगी जिसमें आप मनी कलेक्ट कर पाएंगे यूपीआई की तरह मनी सेंड करने का आप्शन होगा इसमें रिडीम का भी एक आप्शन होता है यदि कोई वाउचर मिलता है तो आप उसे रीडिंम कर पाएंगे जितने भी रुपए डिजिटल वॉलेट में होंगे उतने ही नोट जारी किए जाएंगे उदाहरण के लिए यदि आपके डिजिटल वॉलेट में क्21 है तो क्20 का डिजिटल नोट तथा क्1 का डिजिटल नोट आपको जारी किया जाएगा जिसके द्वारा आप लेनदेन की प्रक्रिया को सरलता से कर पाएंगे जो भी बैंक अकाउंट वॉलेट के साथ लिंक होता होता है उस बैंक के अकाउंट से आप डिजिटल करेंसी कों फिजिकल करेंसी में परिवर्तित कर सकते हैं अकाउंट बनाने की प्रक्रिया–

1) अकाउंट क्रिएट करने के लिए एप्लीकेशन को जब हम लॉगइन करेंगे तो आपको पहला आप्शन बेसिक वॉलेट का मिलेगा जिसमें आपको केवाईसी की आवश्यकता नहीं होगी इसमें डायरेक्टली साइन अप करके भुगतान किया जा सकेगा इसका प्रयोग कम उम्र के व्यक्ति तथा ऐसे दुकानदार जो बैंकिंग के सेक्टर में नहीं जाना चाहते बेसिक वॉलेट का प्रयोग कर सकेंगे डिजिटल तरीके से पैसा स्वीकार करेंगे तथा किसी को भी भुगतान कर सकेंगे

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 2, Issue 8, August 2022
Impact Factor: 5.731

2) आधार ई–केवाईसी – आधार ई–केवाईसी का प्रयोग बेसिक वॉलेट से अधिक राशि के लिए किया जाएगा ।

3) बैंक खाते को लिंक करके मनी को डिजिटल मनी में परिवर्तित कर सकते हैं तथा भुगतान कर सकते हैं

अकाउंट क्रिएट होने के बाद एक वॉलेट आईडी जनरेट की जाती है जहां पर एक रिकवरी की;ामलद्ध प्राप्त होती है जिसके द्वारा आप राशि प्राप्त कर सकेंगे यूपीआई की तरह इसमें भी बारकोड के द्वारा भुगतान किया जा सकेगा यहां पर डायरेक्टर एड्रेस डालकर पेमेंट कर सकते हैं

इसमें लोड मनी का एक आप्शन मिलता है जिसमें जाकर रूपयो को लोड कर सकते हैं जितनी भी राशि आपको लोड करनी है उतनी ही राशि के नोट उसमें लोड हो जाएंगे उदाहरण के लिए यदि आपने ₹41 लोड किए हैं तो ₹40 का नोट लोड हो जाएगा तथा ₹1 का नोट लोड हो जाएगा जिसके द्वारा आप आगे की प्रक्रिया को संपन्न कर पाएंगे।

डिजिटल करेंसी में भी फिजिकल करेंसी की तरह सीरियल नंबर जारी किए जाएंगे यह संपूर्ण प्रक्रिया ब्लॉकचेन टेक्नोलाजी पर आधारित होगी

डिजिटल करेंसी नया रूप कुछ इस प्रकार रहेगाः

डिजिटल करेंसी के लाभ

1. फिजिकल नोट कट सकता है फट सकता है किंतु डिजिटल नोट में फटने या कटने की समस्या नहीं रहेगी।
2. इसके घूमने तथा चोरी होने की भी समस्या नहीं रहेगी।
3. नोट को छापने की लागत मैं भी कमी आ जाएगी।
4. इंटरनेट के बिना ऑफलाइन भी करेंसी में ट्रांजैक्शन किया जा सकेगा।
5. यह पूर्ण रूप से जोखिम से मुक्त है ।
6. इसमें ट्रांजैक्शन करना आसान है।
7. क्रिप्टो के साथ देखी जाने वाली जोखिम कम होगी।
8. अपराधिक प्रवृत्तियों पर रोक लगाई जा सकेगी।
9. विदेशों में पैसे भेजने की लागत में कमी आएगी।
10. डिजिटल रुपए की वैल्यू भी मौजूदा करेंसी के बराबर ही होगी।

समस्याएं

इसमे पैसों के लेनदेन से संबंधित प्राइवेसी नहीं रहेगी।

केष में लेनदेन गुप्त रहते हैं लेकिन इस पर सरकार की नजर होगी जिससे कुछ लोगों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है

डिजिटल रुपया पर कोई ब्याज नहीं मिलेगा

साइबर सुरक्षा की समस्याएं आ सकती है